(b) how many Backward Class candidates were selected from Cuddalore and Villuppuram Divisions for the said posts during the same period?

The Minister of State in the Ministry of Transport and Communications (Shri Raj Bahadur): (a)—

Cuddalore Sub Division

	1956	1957
Clerks	Nil	Nil
Postmen	3	Nil
Runners	Nil	Nil
Messengers	Nil	Nil

Villuppuram Sub Division

	1956	1957
Clerks	Nil	Nil
Postmen	3	1
Runners	Nil	Nil
Messengers	Nil	Nil

(b) Cuddalore Division

	1956	1957
Clerks	Nil	Nil
Postmen	2	4
Runners	Nil	Nil
Messengers	Nil	Nil

Villuppuram Division

	1956	1957
Clerks	Nil	Nil
Postmen	3	3
Runners	Nil	Nil
Messengers	Nil	Nil

Sholapur Aerodrome

1557. Shri Sonavane: Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that recently a fencing has been erected around the Sholapur (Bombay State) aerodrome;

(b) if so, what further improvements to this aerodrome are under consideration of Government; and

(c) to what use this aerodrome is intended to be put to in the near future?

The Minister of State in the Ministry of Transport and Communications (Shri Humayun Kabir): (a) Yes, Sir.

(b) No further improvements to this aerodrome are under consideration at present.

(c) The aerodrome will continue to be used by Pilot trainees for cross-country flights and as an emergency landing ground on Bombay-Hyderabad and Bombay-Madras air routes. It will also be available for non-scheduled flights.

रुई

**१५५८. { श्री मोहन स्वरूप :
श्री पांगरकर :**

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रत्येक राज्य में कितने एकड़ भूमि में रुई की खेती की जाती है और रुई का वार्षिक उत्पादन (राज्यवार) कितना है ; और

(ख) देश में रुई की वार्षिक खपत कितनी है और प्रति वर्ष कितनी रुई का आयात किया जाता है ?

कृषि उपमंत्री (श्री मो० वें० कृष्णप्पा): (क) सन् १९५४–५५, १९५५–५६ और १९५६–५७ में भारत में राज्यवार कपास के क्षेत्र और उत्पादन दिखाने वाले दो विवरण नत्थी कर दिये गये हे ।

(ख) भारत में कपास (अतिरिक्त फैक्टरी खपत को शामिल करके) की औसतन वार्षिक खपत ५१ ५५ लाख गांठ है । औसतन एक साल में भारत मे आयात की गई कपास की मात्रा ६ १५ लाख गांठ है । [देखिये परिशिष्ट ५, अनुबन्ध संख्या ५४]

मेरठ ।यों का निर्यात

१५५९. श्री मोहन स्वरूप : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मेरठ से प्रति वर्ष लगभग एक हजार गायें कलकत्ता भेजी जाती हैं ;

(ख) यदि हां, तो इन गायों को किस प्रकार काम में लाया जाता है ; और